DPL–04

June – Examination 2024

Diploma in Prakrit Language Examination

पाण्डुलिपि विज्ञान एवं प्राकृत पाण्डुलिपियाँ

Paper : DPL-04

*Time : **3** Hours*] [*Maximum Marks : **100***

निर्देश :- यह प्रश्न-पत्र 'अ', 'ब' और 'स' तीन खण्डों में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड के निर्देशानुसार प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

खण्ड—अ **10×2=20**

(अति लघु उत्तरीय प्रश्न)

निर्देश :- सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए। आप अपने उत्तर को प्रश्नानुसार एक शब्द, एक वाक्य या अधिकतम **30** शब्दों में परिसीमित कीजिए। प्रत्येक प्रश्न 2 अंक का है।

1. (i) मैन्यूस्क्रिप्ट किसे कहते हैं ?

   (ii) लिप्यासन क्या है ?

   (iii) शास्तिन् शब्द का प्रयोग किसके लिए किया जाता है ?

(iv) लिपिभ्रम किसे कहते हैं ?

(v) सिद्धम शब्द का संकेताक्षर क्या है ?

(vi) गण्डी किसे कहते हैं ?

(vii) ऊपर से नीचे लिखी जाने वाली लिपि का नाम लिखिए।

(viii) एकाक्षरी अंक लेखन किसे कहा जाता है ?

(ix) लिपिकर्ता किसे कहते हैं ?

(x) संकेत प्रणाली को अन्य किस नाम से जाना जाता है ?

खण्ड—ब **4×10=40**

(लघु उत्तरीय प्रश्न)

निर्देश :- किन्हीं **चार** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। आप अपने उत्तर को अधिकतम **200** शब्दों में परिसीमित कीजिए। प्रत्येक प्रश्न 10 अंक का है।

2. शोध प्रक्रिया विधि को समझाइए।

3. डिप्लोमैटिक्स को संक्षेप में समझाइए।

4. लेखक कैसा होना चाहिए ? स्पष्ट कीजिए।

5. बहिरंग विवरण एवं अन्तरंग विवरण में अन्तर लिखिए।

6. कठोर लिप्यासन पर संक्षिप्त टिप्पणी कीजिए।

7. ब्राह्मी लिपि को स्पष्ट कीजिए।

8. पाठालोचन को समझाइए।

9. माइक्रोफिल्मिंग एवं डिजिटाइजेशन का वर्णन कीजिए।

खण्ड—स **2×20=40**

(दीर्घ उत्तरीय प्रश्न)

निर्देश :- किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। आप अपने उत्तर को अधिकतम **500** शब्दों में परिसीमित कीजिए। प्रत्येक प्रश्न 20 अंक का है।

10. लेखन शैली की सामान्य परम्पराओं का वर्णन कीजिए।

11. लिपिकर्ता किसे कहते हैं ? लिपिकर्ता के गुण एवं महत्व का वर्णन कीजिए।

12. अनुसंधानकर्ता द्वारा ग्रन्थ परिचय विषय पर एक लेख लिखिए।

13. डॉ॰ मोतीलाल मेनारिया पद्धति की समीक्षा कीजिए।